

झारखण्ड से दिनेश शर्मा व मनोज सिंह हुए शामिल, राज्य में मानवाधिकार उल्लंघन मामले को उठाने के साथ ही होगा सामधान: मनोज



नामकुम। अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के अवसर पर नई दिल्ली विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग कि ओर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि में राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित मुर्मू साहित न्यायोदीश व विभिन्न राज्यों के मानवाधिकार संघ के प्रधानिकारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में झारखण्ड प्रदेश से विशेष रूप से झारखण्ड मानवाधिकार संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा किनू व संघ के सलाहकार सह वरिष्ठ सदस्य मनोज कुमार सिंह शामिल हुए। दोनों योग निमंत्रण राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के एस पी श्री ईश्वर सिंह द्वारा दिया गया था। संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा व संघ के सलाहकार सह वरिष्ठ सदस्य कुमार सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान राज्य में मानवाधिकार उल्लंघन मामले को उठाने के साथ ही उपकार सामाजिक के लिए आयोग की ओर से पूर्ण करेगा। साथ ही संघ झारखण्ड में मानवाधिकार से जड़े मामले को भी आयोग के सामने लाने के साथ ही उसे दूर करेगा।

नामकुम और ब्रिज के समीप सात मृत मरेशी मिले पुलिस ने नगर निगम टीम के सहयोग से दफनाया



नामकुम। नामकुम स्वर्णरेखा नदी ओवरब्रिज के दुर्गा सोरेन बौक के सात मृत मरेशी मिले। स्थानीय लोगों के सूचना के बाद मौके पर पहुंचे सब इंप्रेटर बांस मुर्झु ने नामकुम प्रखण्ड कार्यालय के पृष्ठ विफिस्तक अमरेन्द्र पहुंचे जाने करने के बाद नगर निगम के टीम जेटी के द्वारा सभी पुरुषों को ले जाकर दफना दिया गया। एसआई बौअस मुर्झु ने बताया कि स्थानीय लोगों के पुछुताछ शनिवार की रात कीरी 11 बजे रात्रि को 407 सभी सात मृत मरेशीयों को लाकर फेंक कर फरार हो गये। जिसके बाद सुबह खानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

रातू के तारुप टिकराटोली में सांसद व विधायक ने रखी पुलिया निर्माण की आधारशिला



रातू। राँची सांसद संजय सेठ व हटिया विधायक नवान जयसवाल ने रविवार को ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से मुख्यमंत्री से तुरुनाने के तहत रातू प्रखण्ड के तारुप पंचायत के उम्मातु में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आधारशिला रखी। इसके अलावा पूर्ण अंगत भारु राजकीयकृत उत्क्रमित विद्यालय में सिल्ली विद्यायक सुरेश कुमार महतो ने चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यालय एवं आसपास के भागों के लिए 24 घंटे तक खुले रहने वाले लाइब्रेरी प्रारंभ किया जा रहा है जहां जाकर अध्ययन कर सकेंगे उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए फ्री बस सेवा उपलब्ध की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की कमी होने के कारण शाखा ढानों ही असामिजिक तरफ़ का अड्डा बन जाता था शराब सेवन के साथ-साथ भवनों को भी नुकसान पहुंचाया जाता था। बहुत जल्द विद्यालय चहरदीवार निर्माण हो जाने से इस पर रोक लगेगा। विद्यालय के पुराने भवन को भी मरामत कर उपयोग में लाया जाएगा। बहुत जल्द विद्यालय में स्मार्ट बिलास प्रारंभ किया जाएगा। जहां शिक्षा के लिए शाम में 2 घंटे विद्यालय परिसर में ही

राष्ट्रीय नवीन मेल

शेव दफनाने को लेकर सरना धर्मावलंबी व मिशनरी समाज के लोग आमने-सामने

रांची आसपास

रांची, सोमवार 12 दिसम्बर 2022

02

पुलिस ने दोनों पक्षों को सनज्ञा बुझाकर मानले को कराया शांत

नवीन मेल संवाददाता
रातू। थाना क्षेत्र के तिलता में शब दफनाने को लेकर रविवार को सरना धर्मावलंबी व मिशनरी समाज के लोग आमने-सामने हो गये हैं। एक लोग मिशनरी के लोग अपने जीमी पर शब दफनाने को लेकर अड़े हैं। वही दूसरी ओर सरना धर्म के लोग मिशनरी के लोगों ने शब को दूसरे देखा देखा मिशनरी के लोगों ने शब को लोगों के दूसरे देखा देखा मिशनरी के लोगों ने शब को यहां दफनाने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सरना धर्म के मुताबिक शब का वाह संकरकर करने की बात कही। इस पर दोनों सम्पर्क अपने पर मृतकाके शब को दफनाने से मना कर दिये। उनका कहना है कि वह सरना रीतिरिवाज के दौरान राज्य में

का दाह संस्कार कर सकते हैं। दोनों समुदाय में तनातीन का माहोल व लोगों के अपने-समें आपने की सूचना पाकर मैं पर युलिस पहुंची ने लोगों को समझा बुझाकर मालमत को शांत कराया। विवाद बढ़ता देखा देखा मिशनरी के लोगों ने शब को दूसरे देखा देखा मिशनरी का शब का वाह संकरकर करने की बात कही। और चले गये।

जानकारी के मुताबिक शब का वाह संकरकर करने की बात कही। इस पर दोनों सम्पर्क अपने पर मृतकाके शब को दफनाने से मना कर दिये। उनका कहना है कि वह सरना रीतिरिवाज के उपरांत परिजनों के लिए एक दौरा है। उनका कहना है कि वह शामिल हुए। दोनों योग निर्माण राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा किनू व संघ के सलाहकार सह वरिष्ठ सदस्य मनोज कुमार सिंह शामिल हुए। दोनों योग आयोग के एस पी श्री ईश्वर सिंह द्वारा दिया गया था। संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा किनू व संघ के सलाहकार सह वरिष्ठ सदस्य कुमार सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान राज्य में

मिशनरी रीतिरिवाज के मुताबिक शब को कबिरस्थान में दफनाना चाहते थे। परन्तु आसपांडेस के सरना धर्म के लोगों ने कहा कि सरना धर्म छोड़ मिशनरी का शब का वाह संकरकर करने की बात कही। अपने पर मृतकाके शब का वाह संकरकर करने की बात कही। और चले गये।

जानकारी के मुताबिक शब का वाह संकरकर करने की बात कही। इस पर दोनों सम्पर्क अपने पर मृतकाके शब को दफनाने से मना कर दिये। उनका कहना है कि वह सरना रीतिरिवाज के उपरांत परिजनों के लिए एक दौरा है। उनका कहना है कि वह शामिल हुए। दोनों योग निर्माण राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा किनू व संघ के सलाहकार सह वरिष्ठ सदस्य कुमार सिंह शामिल हुए। दोनों योग आयोग के एस पी श्री ईश्वर सिंह द्वारा दिया गया था। संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा किनू व संघ के सलाहकार सह वरिष्ठ सदस्य कुमार सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान राज्य में

कोई भी बच्चा धन के अभाव के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा : सुदेश



नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली प्रखण्ड अंगत भारु राजकीयकृत उत्क्रमित विद्यालय में सिल्ली विद्यायक सुरेश कुमार महतो ने चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यालय एवं आसपास के भागों के लिए 24 घंटे तक खुले रहने वाले लाइब्रेरी प्रारंभ किया जा रहा है जहां जाकर अध्ययन कर सकेंगे उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए फ्री बस सेवा उपलब्ध की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने सभी समस्याओं से अवगत कराया। विद्यायक ने चारदीवारी की कमी से विद्यालय भवन असुरक्षित था। चारदीवारी की आश्रय देने वाली हाद्दहादिया नदी में आवा टोली व टिकराटोली को जड़ने वाली हाद्दहादिया नदी में पुल निर्माण की आयोजना की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने कई समस्याओं से अवगत कर

आंदोलनकारियों ने इन ई होरो की शहादत दिवस मनाई



रांची। झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में आज झारखण्ड आंदोलन के अमर पुण्योदय एन ई होरो की शहादत दिवस टुट्टिया स्थित झारखण्ड आंदोलनकारी भवन में मनाया गया। इस अवधिपर पांच आंदोलनकारियों ने इन ई होरो अमर रहे का नाम लगाते हुए श्रद्धा सुनान अर्पित किया। इस मौके पर झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पृष्ठर महतो, विश्वजीत प्रमाणिक, विदेशी महतो, मबौदी महतो, वितरंजन महतो, भरत महतो, गोपाल महती, शरत वन्दन महतो, पूर्ण वंदन महतो, माझो महतो, नेहा नवनीता, संतोष कुमार सिंह, ठाकुर राम सहित अन्य प्रमुख थे।

विद्युत कार्य प्रमंडल व विद्युत निरीक्षणालय का पुनर्गठन के लिए कमेटी गठित

रांची। ऊर्जा विभाग के तहत विद्युत कार्य प्रमंडल व विद्युत निरीक्षणालय का पुनर्गठन करने के लिए कमेटी गठित की गई है। यह कमटी वर्षमान कार्य प्रमंडल की समीक्षा कर नए कार्य प्रमंडल व विद्युत निरीक्षणालय गठित करने की अनुशंसा करेगी। कमटी की बैठक 12 दिसंबर को होगी। कमटी के अध्यक्ष ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव मनोज जायसवाल बनाए गए हैं। सदस्यों में मुख्य अधियाय विजय कुमार सिंहा, अरविंद कुमार बलदेव प्रसाद, अधीक्षण अधिकारी अमग प्रसाद, अवर सचिव अर्य कुमार राय व कार्यालयक अधिकारी कमल मुंडा रहे गये हैं।

संचालित सेवा संघ के 20 पदों पर चुनाव के लिए 44 प्रत्याशी

रांची। झारखण्ड संचालित सेवा संघ का चुनाव 17 दिसंबर को निर्धारित है। चुनाव के लिए दो सेपां दिसंबर तक नामांकन प्राप्त किया गया। सात दिसंबर तक नामांकन कारपास लगाने की तिथि निर्धारित ही। झारखण्ड संचालित सेवा संघ के कुल 20 पदों पर निर्वाचन के लिए 44 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल किया गया है और किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन कारपास नहीं लिया गया है। एक्स्ट्रीमी के बाद नामांकन दाखिल करने वाले सभी प्रत्याशियों का नामांकन शीर्षकूत किया गया है। इस प्रकार 17 दिसंबर होने वाले झारखण्ड संचालित सेवा संघ के चुनाव के लिए विभिन्न पदवार प्रत्याशियों की अंतिम सूची शिविरों को जारी कर दी गई है।

रांची रेलवे स्टेशन पर लगा नया एस्केलेटर, यात्रियों को नहीं चढ़नी होगी सीढ़ियां

रांची। रेलवे स्टेशन रांची रेल मंडल का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। यात्रियों को और बेहतर सुविधा देने के लिए हमेसा प्रयासरत रेल ने रांची स्टेशन पर यात्रियों को अब सीढ़ियां नहीं छोड़नी होगी। 11 दिसंबर को रांची लोकसभा क्षेत्र के सासद संजय सेट, सासद रांची (राज्य सभा) महुआ माजी, विधायक रांची चैम्बर प्रसाद सिंह ने मंडल रेल प्रबन्धक प्रदीप गुप्ता की उत्तरियों में एक्स्केलेटर का लोकार्पण किया गया। रांची रेलवे स्टेशन पर एक्स्ट्रीम सोलरफार्म से स्कूलरिंग परियां तक आने के लिए विस्तृत फुट और ब्रिज के स्कूलरिंग एरिया वाले छोर पर नवनिर्मित स्कूलरिंग सीढ़ी की स्थापना की गयी है। जिससे यात्रियों को फुट और ब्रिज पर आवागमन में स्कूलरिंग होगी। सासदों और विधायक ने रांची रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध अच्युत यात्रियों सुविधाओं को देखा एवं रांची रेल मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयास की स्थापना की। इस मौके पर मुख्य सचिव को अवधिकारी अधिकारी अंवर कारपास करने की शहादत दिवस मनाई गयी। इस तरह नवनिर्मित स्कूलरिंग सीढ़ी की स्थापना की गयी है।

रांची। रांची रेलवे स्टेशन रांची रेल मंडल का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। यात्रियों को और बेहतर सुविधा देने के लिए हमेसा प्रयासरत रेल ने रांची स्टेशन पर यात्रियों को अब सीढ़ियां नहीं छोड़नी होगी। 11 दिसंबर को रांची लोकसभा क्षेत्र के सासद संजय सेट, सासद रांची (राज्य सभा) महुआ माजी, विधायक रांची चैम्बर प्रसाद सिंह ने मंडल रेल प्रबन्धक प्रदीप गुप्ता की उत्तरियों में एक्स्केलेटर का लोकार्पण किया गया। रांची रेलवे स्टेशन पर एक्स्ट्रीम सोलरफार्म से स्कूलरिंग परियां तक आने के लिए विस्तृत फुट और ब्रिज के स्कूलरिंग एरिया वाले छोर पर नवनिर्मित स्कूलरिंग सीढ़ी की स्थापना की गयी है। जिससे यात्रियों को फुट और ब्रिज पर आवागमन में स्कूलरिंग होगी। सासदों और विधायक ने रांची रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध अच्युत यात्रियों सुविधाओं को देखा एवं रांची रेल मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयास की स्थापना की। इस मौके पर मुख्य सचिव को अवधिकारी अधिकारी अंवर कारपास करने की शहादत दिवस मनाई गयी। इस तरह नवनिर्मित स्कूलरिंग सीढ़ी की स्थापना की गयी है।

रांची। रांची के तीन स्थानों पर सासद संजय सेट न रविवार की सुबह मोराबादी मैदान में तीन स्थानों पर नागरिकों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दैरान सासद नवनियां भवान, बेहतर नागरिकों का मुख्यालय, मुहैया कारने, बिजली सहित अन्य मुद्दे, जो रांची को एक बेहतर शहर बना सकते हैं, इस पर सभी नागरिकों के विचार लिए। सासद ने इस चाय में कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सरकार से भी बेहतर कीसी तरफ सरकार को काम करते हैं और सरकार को इस दिवा के लिए आंदोलन करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, हमारी मातृभूमि है, अपना शहर है, इस लिहाज से हम नागरिकों का भी

बेहतर बन सके, यहां बेहतर नागरिक का मुख्यालय की शिथि अच्छी हो सके, कानून व्यवस्था की शिथि अच्छी हो, इस तरफ सरकार को काम करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, इस तरफ सरकार को काम करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, अपना शहर है, इस लिहाज से हम नागरिकों का भी बेहतर बनना है कि शहर को कार्यव बनता है कि शहर को बेहतर बनाने में हम सब अपना योगदान दें। सासद ने नागरिकों से काम संवाद के क्रम में उनके बहुमूल्य विचार लिए और कहा कि रांची को कार्यव बनाने में ऐसे ही नागरिकों के साथ संवाद का कार्यक्रम किया जाएगा। सुधा यहां व्यापार के संदर्भ में बहुमूल्य विचार के कार्यव बनता है कि शहर को बेहतर बनाने में चाय पर चर्चा होगी। आज उसकी सुरुआत की गई है और पिछले दो दिनों के लिए आंदोलन करने की शहादत दिवस मनाई गयी है।

रांची। रांची के तीन स्थानों पर सासद संजय सेट न रविवार की सुबह मोराबादी मैदान में तीन स्थानों पर नागरिकों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दैरान सासद नवनियां भवान, बेहतर नागरिकों का मुख्यालय, मुहैया कारने, बिजली सहित अन्य मुद्दे, जो रांची को एक बेहतर शहर बना सकते हैं, इस पर सभी नागरिकों के विचार लिए। सासद ने इस चाय में कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सरकार से भी बेहतर कीसी तरफ सरकार को काम करते हैं और सरकार को इस दिवा के लिए आंदोलन करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, हमारी मातृभूमि है, अपना शहर है, इस लिहाज से हम नागरिकों का भी बेहतर बनना है कि शहर को कार्यव बनता है कि शहर को बेहतर बनाने में हम सब अपना योगदान दें। सासद ने नागरिकों से काम संवाद के क्रम में उनके बहुमूल्य विचार लिए और कहा कि रांची को कार्यव बनाने में ऐसे ही नागरिकों के साथ संवाद का कार्यक्रम किया जाएगा।

रांची। रांची के तीन स्थानों पर सासद संजय सेट न रविवार की सुबह मोराबादी मैदान में तीन स्थानों पर नागरिकों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दैरान सासद नवनियां भवान, बेहतर नागरिकों का मुख्यालय, मुहैया कारने, बिजली सहित अन्य मुद्दे, जो रांची को एक बेहतर शहर बना सकते हैं, इस पर सभी नागरिकों के विचार लिए। सासद ने इस चाय में कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सरकार से भी बेहतर कीसी तरफ सरकार को काम करते हैं और सरकार को इस दिवा के लिए आंदोलन करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, हमारी मातृभूमि है, अपना शहर है, इस लिहाज से हम नागरिकों का भी बेहतर बनना है कि शहर को कार्यव बनता है कि शहर को बेहतर बनाने में हम सब अपना योगदान दें। सासद ने नागरिकों से काम संवाद के क्रम में उनके बहुमूल्य विचार लिए और कहा कि रांची को कार्यव बनाने में ऐसे ही नागरिकों के साथ संवाद का कार्यक्रम किया जाएगा।

रांची। रांची के तीन स्थानों पर सासद संजय सेट न रविवार की सुबह मोराबादी मैदान में तीन स्थानों पर नागरिकों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दैरान सासद नवनियां भवान, बेहतर नागरिकों का मुख्यालय, मुहैया कारने, बिजली सहित अन्य मुद्दे, जो रांची को एक बेहतर शहर बना सकते हैं, इस पर सभी नागरिकों के विचार लिए। सासद ने इस चाय में कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सरकार से भी बेहतर कीसी तरफ सरकार को काम करते हैं और सरकार को इस दिवा के लिए आंदोलन करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, हमारी मातृभूमि है, अपना शहर है, इस लिहाज से हम नागरिकों का भी बेहतर बनना है कि शहर को कार्यव बनता है कि शहर को बेहतर बनाने में हम सब अपना योगदान दें। सासद ने नागरिकों से काम संवाद के क्रम में उनके बहुमूल्य विचार लिए और कहा कि रांची को कार्यव बनाने में ऐसे ही नागरिकों के साथ संवाद का कार्यक्रम किया जाएगा।

रांची। रांची के तीन स्थानों पर सासद संजय सेट न रविवार की सुबह मोराबादी मैदान में तीन स्थानों पर नागरिकों के साथ चाय पर चर्चा की। इस दैरान सासद नवनियां भवान, बेहतर नागरिकों का मुख्यालय, मुहैया कारने, बिजली सहित अन्य मुद्दे, जो रांची को एक बेहतर शहर बना सकते हैं, इस पर सभी नागरिकों के विचार लिए। सासद ने इस चाय में कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सरकार से भी बेहतर कीसी तरफ सरकार को काम करते हैं और सरकार को इस दिवा के लिए आंदोलन करना चाहिए। यह शहर हमारा अपना शहर है, हमारी मातृभूमि है, अपना शहर है, इस लिहाज से हम नागरिकों का भी बेहतर बनना है कि शहर को कार्यव बनता है कि शहर को बेहतर बनाने में हम सब अपना योगदान दें। सासद ने

विधायक नगन विकासल ने कोलेबिरा
विधानसभा क्षेत्र का किया दौरा



कोलेबिरा। कोलेबिरा विधायक नमन विकासल कोनगाड़ी अपने विधानसभा क्षेत्र कोलेबिरा प्रखंड के बरसलोया पर्यायत के गढ़ाटोली, जन्हाटोली तथा ऐडगा पर्यायत के पोमलोया आदि गांवों का दौरा किया तथा हाँ के लोगों से मिल वहाँ की जनता के बुलावे पर शिवर रुप से उनके गांव गये तथा उनके समस्याओं को सुने, बाहु के लोगों की व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक समस्याओं को भी सुने तथा जर्द से जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिए, वहाँ के सड़कों, जल की समस्यायों, तथा अन्य समस्याओं को अपने मदत तथा अन्य जिला मद से दूर करने का बात कही ताथा ही, जो इए प्राथमिक विद्यालय पोमलोया की भी जर्जर स्थिति देखते हुए लोगों ने अवगत कराया तथा उसे विशेषरिग करने का आश्वासन दिया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष विधायक निपटिनि सुलभ नेतृत्व द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

चट्टी सापाहिक बाजार से प्यागे औटो की चोरी

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चट्टी सापाहिक बाजार से शनिवार को प्यागे औटो की चोरी ही गया। इस सबूत में भंडरा निवारी तथा तारीफी प्रसाद के पुरु झोनू कुमार ने भंडरा थाने में लिखियां आवेदन दिया है। सोनू ने बत्या की शनिवार का चट्टी सापाहिक बाजार औटो नम्बर जर्जर 01 डीएफ 2766 लेकर गया था वह बाजार में श्वारग का दुकान लगाता है और अद्य दिन की तारीफों को बाजार के निकट करांज पेड़े के पास खड़ा किया था और श्वारग दुकान लगाने वाला गया उससे बताया की उसी उपरात करीब 12:00 और 2:00 बजे के बीच गाड़ी करांज पेड़े के पास पार्क था। करीब बार बजे शम में पता वला कि औटो गांव है काफी खोज बरह के बाद भी पता नहीं चल पाया। बाता दे कि पूर्व में भी चोरों ने बाजार से कई बाइक का गांव कर चुके हैं।

डाक बंगला बानों में सटना सनातन नगा सम्मेलन को लेकर बैठक आज

बानो। बानो में होने वाले सरना सनातन महा सम्मेलन को सफल बनाने के लिये आज 10 बजे से डाक बंगला बानो कार्यक्रमों की बैठक आयोजित की गई है। सरना सनातन महा सम्मेलन के सफल आयोजन करने के लिये पदाधिरियों का बचन तथा प्रखण्ड के विभिन्न गांवों से कार्यक्रम में लोगों को इसकी जानकारी लोगों तक पहचान के लिये लोगों का बचन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये प्रखण्ड के विभिन्न गांवों से महासम्मेलन में भाग लेने का सुनिश्चित किया जा सके। जानकारी हिन्दू जागरण मंच के प्रत भूमि शिवशरण सिंह ने दी।

बानो में 18 दिसंबर को होगा क्रिसमस गैदरिंग, सिसई विधायक रहेंगे अतिथि

बानो। डॉल चर्चेस कमिटी बानो की बैठक अध्यक्ष जगदीश बागे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। आगामी 18 दिसंबर दिन रविवार को क्रिसमस गैदरिंग धूमधारा से मनाने का निर्णय लिया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिद्धी-अंतेक्ष डांग रंगी उपरित रखे तथा समिति ने तमाम समिति के लोग एवं आम जनता से अनुरोध किया है कि अपने अपने क्षेत्र में प्रचार प्रसाद करें और अधिक से अधिक संख्य में भाग लें। और प्रभु भीशु का जन्मोत्सव का आशीर्वाद करें। बैठक में उपायक्ष अमृष कंडुलना, साचिव-सुलेमान बला, उपसचिव-आनंद मरसाह तोपो, कोषाध्यारी-बिरजन कंडुलन, कार्यकारी उपसचिव-सुरीर तुगुन, सलाहार कर सुरीर डांग, अनुर निहान, कोमल कंडुलना, पाटरट-द्वाला बा; मैरिलन तुगुन, सोनाम बरला, विनोद डांग, जोनसन सुरीन अभिनवकाश कंडुलन, प्यारा तोपो एवं अन्य मसीही विश्वासी समुदाय के लोग उपरित थे।

सड़क दुर्घटना में दो की हुई मौत, चार गंभीर

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा थाना क्षेत्र के चट्टी के समीप रविवार की देर शाम हुई सड़क दुर्घटना में दो बालक सवार की मौत हो गई है। जानकारी अनुसार रविवार देर शाम हुए दो बालों की टरकर में दो व्यक्ति की हुई मौत हो गई है जो की हालत गंभीर रुक्नी हुई है। दोहरी-केरा बड़क में बड़ागाई मोड़ के समीप बाइक संचालक जर्जर 01 डीडी 6690 एवं जर्जर 01 डीडी 6742 बाइक जिसमें तीन तीन लोग सवार थे अपास में टकरा गए। दोनों बालों में हुई जारूरत के बालों के लिए हर वक्त खरबा बना आम का सूखा पेड़ की नीलामी अंचलाधिकारी बुडावं सासुर के द्वारा कराई गई। इधर सीओ बुडावं सासुर के द्वारा लगाये गए नीलामी

परंजलि योग समिति, भारत स्वामिनी के तत्वावधान में स्थानीय सुंदरी

परंजलि योग समिति, भारत स्वामिनी के तत्वावधान में स्थानीय सुंदरी

लोहरदगा। परंजलि योग समिति, भारत स्वामिनी के तत्वावधान में स्थानीय सुंदरी

आगामी 25 दिसंबर से परंजलि द्वारा सहयोग प्रशिक्षण में योग, आयुर्वेद, स्वस्थ जीवन शैली से अवगत कराया जाएगा

लोहरदगा। परंजलि योग समिति, भारत स्वामिनी की आवश्यक बैठक जिला प्रभारी आदि व्यायाम की अध्यक्षता में की गई। बैठक के पूर्व जिला प्रभारी द्वारा योगाध्यायास एवं ध्यान कराया गया और कहा गया कि



योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं : प्रवीण कु. भारती

नवीन मेल संवाददाता लोहरदगा। परंजलि योग समिति, भारत स्वामिनी के तत्वावधान में स्थानीय सुंदरी

आगामी 25 दिसंबर से परंजलि द्वारा सहयोग प्रशिक्षण में योग, आयुर्वेद, स्वस्थ जीवन शैली से अवगत कराया जाएगा

लोहरदगा। परंजलि योग समिति, भारत स्वामिनी की आवश्यक बैठक जिला प्रभारी आदि व्यायाम की अध्यक्षता में की गई। बैठक के पूर्व जिला प्रभारी द्वारा योगाध्यायास एवं ध्यान कराया गया और कहा गया कि

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की मार्गी अग्रणी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश दिव्यें अभिन बागे, अमृत द्वागुण, राहुल करकेन्द्र आदि उपरित रह।

योग के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना सम्भव नहीं है योगाध्याय के बैठक की व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं है जो सकत।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्राप्त दश एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रवीण की आगामी 25 दिसंबर से सुंदरी देवी की दूरी द्वागुण, फुलकेरिया डांग सुरेश द

ਪੀਟੀਆਰ ਪਰ ਕਿਥਕੀ ਲਗੀ ਨਜ਼ਦ

झारखंड ही नहीं पूरे देश की शान पलामू टाइगर रिजर्व इन दिनों बदहाली के दौर से गुजर रहा है। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा यहां हर समय हमले जारी हैं। नवा साल 2023 की दस्तक यहां सुनायी पड़ने लगी है। लेकिन यहां की वादियों में कभी वनप्राणियों का शिकार तो कभी लकड़ी तस्करी का कार्य बदस्तर जारी है। वन प्रक्षेत्र बारेसांग के झुमरीटोला में पिछले दिनों वन विभाग की टीम ने बेशकीमती लकड़ी जब्त की थी। विभागीय कर्मियों ने एक घर से साल, बिया, गम्हार का घिरान व पटरा समेत फर्नीचर बनाने के औजार जब्त किये गये। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण कार्रवाई है। कुछ दिन पूर्व हिरण का शिकार की भी खबर हैरान करने वाली है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर वन विभाग के कर्मी क्या कर रहे हैं? बहरहल हाल के दिनों में वन विभाग हरकत में दिख रहा है। काफी मशक्त के बाद छापामारी अभियान चलाया गया। जिस कारण वन विभाग की टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना भी पड़ा। यह दुखद पहलू है। आखिर ग्रामीणों को भी यह बात समझनी चाहिए कि वन हमारे साथी हैं। इनकी देखभाल की जवाबदेही उनकी भी है। ऐसे में किसी प्रकार की हरकत उन्हें शोभा भी नहीं देती है। अगर कोई गलत कार्य करता है तो उसका समर्थन करतई नहीं करना चाहिए। कार्रवाई के बाद से ही वन विभाग पर तरह- तरह के सवाल उठने लगे हैं। अब इस मामले ने तूल पकड़ा लिया है। वन विभाग जिस रामसेवक राम के ऊपर कार्रवाई करना चाह रही है। उसी रामसेवक राम ने वन

केंद्रीय बैंक के इस से रुख से कर्ज महंगे होंगे और बैंकों की पूंजी लागत बढ़ जायेगी, जिसके कारण उन्हें फिर से ऋण दर बढ़ानी होगी। महंगी ऋण दर की वजह से सूझ, लघु, मझोले और बड़े उद्योग ऋण लेने परहेज कर रहे हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां सुस्त पड़ने लगी हैं। सितंबर की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.3 फीसद दर्ज की गई, जबकि पिछली तिमाही में यह 13.5 फीसद थी। कोरोना महामारी के बाद उधारी में तेज उठाव और ऐपो दर में वृद्धि का वजह से बैंकों को जमा बढ़ाने पर जोर देना पड़ रहा है, लेकिन पिछली बारह महीनों में बारह सरकारी बैंकों में से महज चार ने जमा में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

भा तीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.35 फीसद की बढ़ोतरी की है, जिससे रेपो दर 5.90 से बढ़ कर 6.25 फीसद हो गई है। मई 2022 के बाद रेपो दर में 2.25 फीसद की बढ़ोतरी सिर्फ महंगाई को नियंत्रित करने के लिए की गई है उपरोक्ता मूल्य पर आधारित खुदारा महंगाई दर (सीपीआई) अक्टूबर महीने में घट कर 6.77 फीसद हो गई, जो सितंबर महीने में 7.41 फीसद थी। खुदारा महंगाई में लगातार दो महीने बढ़ोतरी होने के बाद गिरावट दर्ज की गई है बावजूद इसके, खुदारा महंगाई रिजर्व बैंक द्वारा तय महंगाई दर की ऊपरी सीमा छह फीसद से ऊपर बनी हुई है। अक्टूबर महीने में खुदारा महंगाई में गिरावट दर्ज होने के बाद रिजर्व बैंक का विश्वास महंगाई को नियंत्रित करने की अपनी मौजूदा

उसने रेपो दर में फिर से बढ़ोतारी की है। केंद्रीय बैंक के इस रुख से कर्ज महंगे होंगे और बैंकों की पूँजी लागत बढ़ जायेगी, जिसके कारण उन्हें फिर से ऋण दर बढ़ानी होगी। महंगी ऋण दर की वजह से सूक्ष्म, लघु, मझोले और बड़े उद्योग ऋण लेने से परहेज कर रहे हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां सुस्त पड़ने लगी हैं। सितंबर की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.3 फीसद दर्ज की गई, जबकि पिछली तिमाही में यह 13.5 फीसद थी। कोरोना महामारी के बाद उधारी में तेज उठाव और रेपो दर में वृद्धि की वजह से बैंकों को जमा बढ़ाने पर जोर देना पड़ रहा है, लेकिन पिछले बारह महीनों में बारह सरकारी बैंकों में से महज चार ने जमा में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की, जबकि एक को छोड़ कर अन्य बैंकों की उधारी में उल्लेखनीय

हालात हैं। सभी सूचीबद्ध निजी बैंकों में से केवल दो बैंकों ने ऋण के मुकाबले जमा में अधिक वृद्धि दर्ज की। हालांकि, बैंक जमा पर व्याज दर बढ़ा और बैंक बांड के जरिये भी पूँजी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। बैंकों की शुद्ध व्याज आय में समग्र रूप से बाइस फीसद की तरीफे तेजी आई है। सरकारी बैंकों की शुद्ध व्याज आय में बीस फीसद की वृद्धि हुई है, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों के शुद्ध व्याज आय में 24.5 फीसद की। बैंकों की शुद्ध व्याज आय में बढ़ोतारी का कारण उधारी के उठाव में तेजी आना है, लेकिन बैंक जमा में उधारी के अनुपात में वृद्धि नहीं हो पा रही है। उधारी और जमा दर में भारी अंतर से बैंकों के समक्ष तरलता का संकट पैदा होने की संभावना बढ़ गई है। आगामी तिमाहियों में कंपनियों और बैंकों का मुनाफा प्रभावित होने की भी

3 की दूसरी तिमाही में सरकारी बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक और बैंक आफ इंडिया के छोड़ कर अन्य सभी सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2022-23 के सिरंबर तिमाही में पिछले साल के सामान अवधि की तुलना में अधिक रहा है। इस तरह, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बारह सरकारी बैंकों ने 25,685 करोड़ रुपए और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 40,991 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया, जो पिछले साल के मुकाबले क्रमशः पचास फीसद और 31.6 फीसद अधिक है। इस अवधि में निजी बैंकों का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। अठारह निजी सचिवद्वारा बैंकों में से केवल दो के शुद्ध लाभ में इस अवधि में कमी देखी गई है। इनका शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले वार्षिक आधार पर चौसठ फीसद बढ़ कर 32,150 करोड़ रुपए हो गया।

■ सतीश सिंह

साख का सवाल

भा रत विभिन्न जातियों और धर्मों वाला एक गुलदस्ता है, जिसकी खुशबू से पूरी दुनिया महकती है। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह सेवेश की संस्थानों की गरिमा पर अंच आई है और उनकी साथ पर सवालिया निशान लगे हैं, वैसे में उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से एक कठिन सवाल का जवाब जानेकी इच्छा जताई कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का संविधान में जिक्र तो है, लेकिन प्रक्रिया का अभाव है। पिछले बहतर वर्षों में भी यह बनाना संभव नहीं हुआ। भारत एक लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला देश है। यह विभिन्न जातियों और धर्मों वाला एक गुलदस्ता है, जिसकी खुशबू से पूरी दुनिया महकती है। यही भारत की ताकत भी है। ऐसी स्थिति को बनाये रखने में हमारी एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी, क्योंकि तब इसमें सांविधानिक स्वीकार्यता होती थी। मगर उच्चतम न्यायालय ने याद दिलाया है कि सन 2004 से केसी भी आयुक्त ने छह साल तक अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। मगर अफसोस कि यहाँ की राजनीतिक व्यवस्था ने ऐसे जिम्मेदार पद को अपने स्वार्थ के लिए उपकृत करने का एक माध्यम बना दिया है। यहाँ ही में वीआरएस लेने के तुरंत बाद अरुण गोयल को केंद्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त करके यह साबित कर दिया। न्यायालय ने यह भी कहा कि संविधान ने मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्तों

के नाजुक कंधों पर भारी शक्तियां रख दी गई हैं। अदालत ने मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में टीएन शेषन का जिक्र करते हुए कहा कि किस तरह से वे चुनाव व्यवस्था को साफ करने में कामयाब रहे। ऐसे भी अधिकारी देश में रहे हैं। सबसे पहले देश में ऐसी व्यवस्था खत्म करने का आवश्यकता है कि सेवानिवृत्त होने के बाद उनको सत्ताधारी राजनीतिक पार्टियां कहीं न कहीं पदासीन कर देती हैं। ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले हैं। आज देश की एजर्सियां जिस तरह की दिशा में काम कर रही हैं, उससे संस्था की छवि धूमिल हुई है। तभी उन्हें अलग-अलग नाम से संबोधित किया जाता है। देश में बोते कुछ समय से ऐसे आरोप लगाता सामने आए हैं कि सत्ताधारी पार्टी ने अपने राजनीतिक हित को साधने के लिए इन संस्थाओं को प्रयोग किया है। इसकी वजह से देश में इन संस्थाओं की साख गिरी है। अदालत ने हाल ही में यह भी कहा चुनाव आयोग में नियुक्ति में ऐसी पारदर्शिता होनी चाहिए कि अगर किसी वजह से पीएम भी दोषी हैं तो उन पर कार्रवाई करने में आयोग वे कदम नहीं डगमगाने चाहिए। मगर यह तब संभव है जब पद पर मजबूत व्यक्ति बैठा हो। अब जब उच्चतम न्यायालय ने पहल की है तो इस मजबूत बनाने की कोशिश होनी चाहिए, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था के मजबूत बनाया जा सके।

■ मोहम्मद आसिफ

धार्मिक गणतंत्र के विरोधाभास

ग णत्र का अथ यह सदश दता है के सत्ता सार्वजनिक है तथा यह किसी की निजी सम्पत्ति नहीं है। लेकिन जब गणतंत्र में धार्मिक होने की अनिवार्यता बता दी जाएं तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि शासक वर्ग धर्मगुरु ही होंगे। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद ईरान को धार्मिक गणतंत्र घोषित कर दिया गया था। यह शब्द संभवतः इसलिए गढ़ा गया क्योंकि इसके पहले ईरान की सर्वोच्च सत्ता पर तानाशाह आसीन होते थे और साम्यवादी सरकार खुलेपन को स्वीकार करती थी। क्रांति के बाद ईरान के सर्वोच्च पद पर धर्मगुरु की ताजपोशी की गई और देश को शरिया नियमों पर चलाने का ऐलान कर दिया गया। इस्लामिक कानूनों को लेकर दुनिया में यह आम राय है कि इसका संचालन धर्मग्रंथों को परिभाषित करने वाले मौलियों और उलमाओं की समझ पर निर्भर करता है। यही कारण है कि अफगानिस्तान में तालिबान, सऊदी अरब के सुल्तान और ईरान के धर्मगुरु सभी इस्लामिक कानूनों पर आधारित व्यवस्था की बात तो कहते हैं, लेकिन इन तीनों देशों में अलग अलग कानून और उनको संचालित करने के तौर तरीके हैं। यदि बात महिलाओं की करें तो इसमें गहरे विरोधाभास है। इस्लामिक दुनिया में सऊदी अरब का अलग रुखा है लेकिन वहां महिलाएं अकेली यात्रा कर सकती हैं, कार चला सकती हैं। अब यहां सिनेमा हॉल भी खुल रहे हैं और चेहरा ढकने की सख्ती को भी शिथिल कर दिया गया है। महिला शिक्षा को लेकर सऊदी अरब में उदारता देखा जा रहा है के हिजाब पहनने के तरीके पुलिस के द्वारा महसा उड़ाने के फुटबॉल के लिए जून महिलाओं के स्टेडियम दिया गया। ईरान में शर्करा लड़कियों और उनके अहम है। ईरान में धंधा मामला समझा जाता है और महिलाएं घरेलू हिंसा मजबूर है। ऑनर क्रिकेट कर्वाई नहीं की जाती धार्मिक पुलिस को व्यवहार है, इसी का नीतीजा है युवाओं का हालिया अफगानिस्तान में तालिबान ने महिलाओं का भविष्य विवाह के लिए उसे 12 साल की उम्र लिए आदर्श मान ली अधिकांश आबादी ग्राम गरीबी, अशिक्षा और रोजगार से दूर करने महिलाओं को कड़े नियम हैं। इनमें घर की दहलने को हिजाब से ढंकने

वहां ईरान म माहलआ के के नाम पर ही नैतिक दलोंनी को मार डाला गया। इस से भरे इस देश में जाने पर प्रतिबन्ध लगा गया। से पहले कौमार्य कई अधिकारियों के लिए बेहद चुपचाप सहने को लेकर कई पुलिस यहां तक की ईरान में क अधिकार दे दिये गये रान में महिलाओं और दर्दशन। ईरान से लगे तबान की वापसी ने की बना दिया है। यहां र्थ धारण से ही तय हो दि बेटी हुई तो उसका सी भी उम्र के आदमी मतलब इस देश में 10 कियों के यौन संवंध के है। अफगानिस्तान की ग क्षेत्रों में रहती है, यहां छड़ापन है। शिक्षा और साथ ही तालिबान ने भी में बांध कर रख दिया लांघने से पहले खुद र पति या किसी महरम क साथ हा बाहर नकलना शामिल ह। दश से सहशिक्षा यानी लड़के-लड़कियों को साथ पढ़ाने की अनुमति नहीं है। धार्मिक गणतंत्र ईरान मौलियां और धर्मगुरुओं का अतिवाद पूरी तरह से हावी है। यहां धर्मगुरुओं की सनक की सुरक्षा के लिए रिवॉल्यूशनरी गार्ड और रिवॉल्यूशनरी कोर्ट स्थापित कर दी गई है। 1979 की ईरान क्रांति के बाद मुल्क में रिवॉल्यूशनरी गार्ड क गठन किया गया था। ये ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी का फैसला था। रिवॉल्यूशनरी गार्ड का मकसद नई हुक्मत की हिफाजत और आर्मी के साथ सत्ता संतुलन बनाना था। ईरान में शाह के पतन के बाद हुक्मत में आई सरकार को ये लगा कि उन्हें एक ऐसी फौज की जरूरत है जो नये निजाम और क्रांति के मकसद के हिफाजत कर सके। रिवॉल्यूशनरी गार्ड क कमान ईरान के सुप्रीम लीडर के हाथ में है कमान ईरान के सुप्रीम लीडर देश के सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर भी हैं। वे इसके अहम पदों पर अपने पुराने सियासी साथियों की नियुक्ति करते हैं ताकि रिवॉल्यूशनरी गार्ड पर उनकी कमान मजबूत बन रहे। रिवॉल्यूशनरी गार्ड में अच्छी सैलरी पर धार्मिक नौजवानों की नियुक्ति की जाती है अर्थात् देश की आंतरिक सुरक्षा का सबसे बड़ा पहरुआ ईरान के धार्मिक नेता के इशारों पर चलता है। वहीं 1979 में स्थापित रिवॉल्यूशनरी कोर्ट में भी सर्वोच्च धार्मिक नेता के पसंद वे ही जज होते हैं।

■ ब्रह्मदीप अलूक

संपादक के नाम पाठकों की पाती आधिकारिकता का प्रभाव

खतौली में शर्मनाक हार जाट नेताओं की क्षमता पर बड़ा सवाल

उपचुनाव के नतीजों से गठबंधनों का अंकगणित नहीं बदला, लेकिन इस चुनाव ने यह संकेत दे दिया है कि भाजपा के लिये पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2024 का चुनाव आसान नहीं होने वाला है। सपा-रालोद गठबंधन उसकी राह में कट्टि बिछाने को पूरी तरह तैयार है। भाजपा रामपुर का गढ़ भेदकर खुश हो सकती है, लेकिन उसके लिये खतौली की हार ज्यादा बड़ी चुनौती है। यह भाजपा के जाट नेताओं की क्षमता पर भी बड़ा सवाल है, जिनके दम पर भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव के समर में उत्तरने की तैयारी कर रही है। खतौली विधानसभा में भाजपा की हार भविष्य के लिये खतरे की घंटी है। इस विधानसभा में आने वाले कवाल गांव में 2013 में हुए तिहरे हत्याकांड और उसके बाद भड़के दर्गे ने पश्चिमी यूपी में रालोद की सियासी जमीन खींचकर भाजपा की मजबूती की नींव तैयार की थी। कवाल कांड के बाद ही पश्चिमी यूपी में रालोद के मजबूत जाट-मुस्लिम समीकरण ध्वस्त हुआ, जिसकी जमीन पर भाजपा ने अपना सियासी महल खड़ा किया। अब जाटलैंड में भाजपा का सियासी महल दरक रहा है। वह भी तब, जब भाजपा ने अन्य जातियों को दरकिनार कर जाटों को जरूरत से ज्यादा प्रतिनिधित्व किया। पारा ज्ञा गता है कि पश्चिमी रामपुर एवं केंद्रीय यूपी की मंजूरी देनी वाले के काम के लिये अन्य जातियों को आगे किया था। भाजपा के लिये यह रणनीति खतौली में फेल हो गई है, उससे भी ज्यादा चिंता का बात है कि विपक्षी सपा-रालोद गठबंधन को यह संजीवनी मिल गया है कि भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। चुनावी भविष्य को लेकर भी एक आशंका पैदा हो गई है कि भाजपा पश्चिमी यूपी में केवल जाटों पर भरोसा करके चुनावी समर में उत्तरेगी तो झटक लग सकता है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी में भाजपा की जीत में दलित वर्ग के लोटरों का बड़ा योगदान था लेकिन भाजपा ने इस वर्ग को अपने साथ जोड़ने की बजाय इससे किनारा कर लिया। कई सीटों पर प्रभावशाली दलित वर्ग को अपने साथ जोड़े रखने के लिये भाजपा ने मजबूत दलित नेतृत्व खड़ा करने का कोई प्रयास नहीं किया। भाजपा के पास पश्चिमी यूपी में दलित चेहरे के नाम पर राज्यसभा सांसद कांता कर्दम हैं, जिनके इस वर्ग पर कोई पकड़ नहीं है।

— ፩፻፲፭

खतौली में शर्मनाक हार जट नेताओं की अमता पर बड़ा सवाल

उत्तर प्रदेश में दो विधानसभा व एक लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों से गठबंधनों का अंकगणित नहीं बदला, लेकिन इस चुनाव ने यह संकेत दे दिया है कि भाजपा के लिये पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2024 का चुनाव आसान नहीं होने वाला है। सपा-रालोद गठबंधन उसकी राह में काटे बिछाने को पूरी तरह तैयार है। भाजपा रामपुर का गढ़ भेदकर खुश हो सकती है, लेकिन उसके लिये खटौली की हार ज्यादा बड़ी चुनौती है। यह भाजपा के जाट नेताओं की क्षमता पर भी बड़ा सवाल है, जिनके दम पर भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव के समर में उत्तरे की तैयारी कर रही है। खटौली विधानसभा में भाजपा की हार भविष्य के लिये खतरे की घटी है। इस विधानसभा में आने वाले कवाल गांव में 2013 में हुए तिहरे हत्याकांड और उसके बाद भड़के दंगे ने पश्चिमी यूपी में रालोद की सियासी जमीन खींचकर भाजपा की मजबूती की नींव तैयार की थी। कवाल कांड के बाद ही पश्चिमी यूपी में रालोद के मजबूत जाट-मुस्लिम समीकरण ध्वस्त हुआ, जिसकी जमीन पर भाजपा ने अपना सियासी महल खड़ा किया। अब जाटलैंड में भाजपा का सियासी महल दरक रहा है। वह भी तब, जब भाजपा ने अन्य जातियों को दरकिनार कर जाटों को जस्तर से ज्यादा प्रतिनिधित्व किया। पाना ज्ञान रहा है कि पश्चिमी यूपी मांसपंथ पार्टी के लिये मांसी दो मांसी नीति

बालियान से जनता की नाराजगी भाजपा की रणनीति पर भारी पड़ी है। खत्तौली में हार के बाद एक बड़ा सवाल भाजपा की चुनावी रणनीति पर भी उठ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनिवाल तथा सांसद डा. संजीव बालियान के जाट होने के बावजूद यह वर्ग जयंत चौधरी के साथ क्यों चला गया? क्या जाटों पर इन नेताओं की कोई पकड़ नहीं है? क्या भाजपा पश्चिमी यूपी केवल जाटों सहारे जीत जायेगी? ऐसे कई सवाल होंगे, जिनके जवाब भाजपा नेतृत्व को तलाशने होंगे। डॉ. संजीव बालियान अपनी कारगुजारियों का ठीकरा दूसरे नेताओं पर फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन बड़ा सवाल है कि उनके ही लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा सीट पर जाट वोटर रालोद की तरफ क्यों चला गया? जाटों पर आंख मूंदकर भरोसा भाजपा को आने वाले समय में भारी पड़ता दिख रहा है। दलित बाहुल्य पश्चिमी यूपी में भाजपा ने जाट वोटरों को साधने के लिये अन्य तमाम जातियों के प्रतिनिधित्व को दरकिनार कर दिया तथा जाट समुदाय से आने वाले प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम मोहित बेनिवाल को खत्तौली जिताने जिम्मेदारी दी, लेकिन मैं दोनों इस परीक्षा में पूरी तरह फेल रहे। जाट वोटर पूरी तरह से सपा-रालोद गठबंधन के साथ चला गया। उत्तौली की हाप मापाणा तर्दी है तब्बल भाजपा के समीक्षण

एवं रणनीति पर सवाल है, जिसे साधकर वह पश्चिमी यूपी में 2024 में फतह हासिल करने का सपना पाल रही है। पश्चिमी यूपी की मात्र डेढ़ दर्जन विधानसभा सीटों पर निर्णायक प्रभाव रखने वाले जाट-वोटरों को जोड़े रखने के लिये भाजपा ने अन्य जातियों के प्रतिनिधित्व छीनकर जाट नेताओं को आगे किया था। भाजपा का यह रणनीति खतौली में फेल हो गई है, उससे भी ज्यादा चिंता करता है कि विपक्षी सपा-रालोद गठबंधन को यह संजीवनी मिल गयी है कि भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। चुनावी भविष्य को लेकर भी एक आशंका पैदा हो गई है कि भाजपा पश्चिमी यूपी में केवल जाटों पर भरोसा करके चुनावी समर में उत्तरेगी तो झटक लग सकता है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी में भाजपा की जीत में दलित वर्ग के वोटरों का बड़ा योगदान था लेकिन भाजपा ने इस वर्ग को अपने साथ जोड़ने की बजाय इससे किनारा कर लिया। कई सीटों पर प्रभावशाली दलित वर्ग को अपने साथ जोड़े रखने के लिये भाजपा ने मजबूत दलित नेतृत्व खड़ा करने का कोई प्रयास नहीं किया। भाजपा के पास पश्चिमी यूपी में दलित चेहरे के नाम पर राज्यसभा सांसद कांता कर्दम हैं, जिनके इस वर्ग पर कोई पकड़ नहीं है।

અંગે ગે

